Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि

मधुमक्खी पालन

ठाकुर- समान रूचि समूह

स्वयं सहायता समूह/ समान रूचि समूह का नाम	: :	ठाकुर समान रूचि समूह
गाँव वन विकास समिति का नाम	: :	जीव नारायण वन विकास समिति जाणा-1
FTU/ परिक्षेत्र	: :	नग्गर
DMU/डिवीज़न	: :	कुल्लू
FCCU/ सर्किल	: :	कुल्लू

द्वारा प्रयोजित	द्वारा तैयार
PIHPFEM&L	एफटीयू समन्वयक - वीर सिंह खंड वन पदाधिकारी-राजीव कुमार वन रक्षक-गुरमीत

सामग्री तालिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ
1.	परिचय	3
2.	कार्यकारी सारांश।	3
3.	स्वयं सहायता समूह/ समान रूचि समूह का विवरण	3-6
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	7
5.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	7
6.	उत्पादन प्रक्रियाएं।	7-8
7.	उत्पादन योजना	9
8.	बिक्री और विपणन	9-10
9.	SWOT विश्लेषण	10-11
10.	संभावित जोखिमों और उन्हें कम करने के उपायों का विवरण।	11
11	परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	12-14
12	अनुमान	14-16
13	अर्थशास्त्र का सारांश	17
14	लाभ लागत विश्लेषण	17-18
15	निधि की आवश्यकता	18
16	ब्रेक-इवन पॉइंट की गणना	19
17	ऋण चुकौती के लिए योजना	20
18	प्रशिक्षण	20
19	टिप्पणियां।	21
20	चर्चा के दौरान तस्वीरों की झलक	22
21	सी.आई.जी. सदस्यों की तस्वीर	23
22	स्वयं सहायता समूह /समान रूचि समूह के नियमों की सूची	24-25
23	समझौता	26

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश जो पश्चिम हिमालय की गोद में बसा हैं। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता एवं समृद्ध संस्कृति के लिए प्रशिद्ध हैं। हिमाचल प्रदेश के जलवायु बहुत ही विस्तृत है, तथा अनेक छोटी बड़ी नदियाँ व घाटियाँ प्रदेश की सुन्दरता बदती हैं। हिमाचल प्रदेश में 12 जिलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रशिद्ध हैं। कुल्लू जिले में ही गाँव जाणा ग्राम पंचायत जाणा विकास खंड कुल्लू तहसील व जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित हैं। गाँव जाणा कुल्लू मुख्यालय से 36 कि0 मी0 की दुरी पर स्थित हैं। गाँव के लोगो का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागबानी है। गाँव में मधुमक्खी पालन का कार्य करते है, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता हैं। इससे आय और उत्पादन कम ही होती हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए इन सदस्यों को और अधिक जानकारी की आवश्यकता हैं। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यंत्रो का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बड़ाया जा सकता हैं।

हिमाचल प्रदेश वन विभाग परितंत्र प्रवंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में जय जीव नारायण वन विकास समिती जाणा का गठन के बाद लोगो को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से सामान रूचि समूह का गठन किया गया। इस समूह ने मधुमक्खी पालन के कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह 15 में सदस्य शामिल हुए तथा इस समूह को " ठाकुर समान रूचि समूह " का नाम दिया गया।

हिमाचल प्रदेश वन विभाग परितंत्र प्रवंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने " ठाकुर समान रूचि समूह " को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देने के साथ साथ 100000/- परिक्रामी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

" सामान रूचि समूह की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना बनाने के लिए वीर सिंह **(**एफटीयू समन्वयक) नग्गर परिक्षेत्र व मीने राम एवं सोनिया वार्ड सुविधाकर्ता ने बार बार समूह के सदस्यों के साथ बैठक करके श्री टेक चन्द वन परिक्षेत्र अधिकारी नग्गर के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अंतिम रूप दिया गया**।**

2. स्वयं सहायता समूह / समान रूचि समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह/ समान समूह का नाम	: :	ठाकुर समान रूचि समूह
2.2	समान रूचि समूह की सूचना प्रणाली प्रवंधन की नियमावली	: :	
2.3	गाँव वन विकास समिति	: :	जय जीव नारायण वन विकास समिति जाणा 1
2.4	वन परिक्षेत्र/ क्षेत्रीय तकनीकी ईकाई	: :	नग्गर
2.5	वन मंडल / मंडलीय प्रवंधन ईकाई	: :	कुल्लू
2.6	गाँव	: :	जाणा
2.7	विकास खंड	: :	नग्गर
2.8	जिला	: :	कुल्लू
2.9	समान रूचि समूह में सदस्यों की कुल संख्या	: :	15
2.10	समूह की गठन की तारीख	: :	
2.11	बैंक का नाम और विवरण	: :	एस बी आई नग्गर
2.12	बैंक खाता सं.	: :	42566093670
2.13	स्वयं सहायता समूह/ समान रूचि समूह की मासिक बचत	: :	100
2.14	कुल बचत	: :	1500
2.15	कुल अंतर-ऋण	: :	
2.16	नकद जमा करने की सीमा	: :	
2.17	चुकौती की स्थिति		

ठाकुर समान रुचि समूह के सदस्यों की विवरण

क्र0	नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	दूरभाष
1.	रघुबीर सिंह	प्रधान	32	पु0	8 वीं	साधारण	86290-64293
2.	करम चंद	सदस्य	45	पु0	12 वीं	साधारण	98571-33446
3.	भाग चंद	सदस्य	59	पु0	8 वीं	साधारण	86290-44009
4.	रूप लाल	सदस्य	54	पु0	8 वीं	साधारण	88941-58060
5.	बाल कृष्ण	सदस्य	48	पु0	बी. ए .	साधारण	98163-57793
6.	लीला कर	सदस्य	45	पु0	8 वीं	साधारण	98163-25383
7.	धर्म चंद	सदस्य	34	पु0	12 वीं	साधारण	98161-13944
8.	हिरा लाल	सदस्य	45	पु0	12 वीं	साधारण	98172-29856
9.	कुलदीप	सदस्य	39	पु0	बी. ए.	साधारण	98165-84884
10.	झाबे राम	सदस्य	44	पु0	8 वीं	साधारण	98164-55977
11.	युवराज	सचिव	29	पु0	बी. ए.	साधारण	94590-83032
12.	प्यारे लाल	सदस्य	42	पु0	8 वीं	साधारण	88949-43696
13.	मनोज कुमार	सदस्य	31	पु0	10 वीं	साधारण	88948-85682
14.	तेजेंदर ठाकुर	सदस्य	20	पु0	12 वीं	साधारण	98057-81025
15.	जगदीश कुमार	सदस्य	29	पु0	12 वीं	साधारण	98570-22215

गाँव की भगोलिक स्थिति

3.1	ज़िला मुख्यालय से दूरी	36 कि0 मी0
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	26 कि0 मी0
3.3	स्थानीय बाजार से नाम एवं दूरी	नग्गर, 14 कि0 मी0
3.4	प्रमुख बाजार का नाम एवं दूरी	मनाली, 25 6 कि0 मी0
3.5	प्रमुख शहरो के नाम जहा उत्पात का बिक्री /विपणन किया जायगा	कुल्लू, पतलीकुल, नग्गर मन, मनाली और भुंतर
3.6	प्रमुख शहरो से दूरी	कुल्लू 36 कि0 मी0, पतलीकुल 18 कि0 मी0 , नग्गर 15 कि0 मी0, मनाली 25 कि0 मी0 और भुंतर 46 कि0 मी0
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्वन्ध में गाँव की कोई विशेष सुचना	कृषि व बगवानी मधु-मक्खी पालन
3.8	पिछले और आगमी संपर्को की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और मधुमक्खी पालन की जानकारी सांझा की जा रही हैं।

3. आय सृजन गतिविधि से स्वंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	मधु-मक्खी पालन का कार्य पहले से करते है।
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य
4.3	समान रूचि समूह सदस्यों की सामुहिक सहमति	हाँ

4. उत्पादन की प्रक्रियाओं का वितरण

सर्वप्रथम समान रूचि के सदस्यों को परियोजना द्वारा मधुमक्खी पालन आदि का प्रशिक्षण दिया जायगा। प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जायगी :-

4.1 समूह में 10 सदस्य मधु-मक्खी पालन का कार्य करेंगे।

4.2 समूह में सभी सदस्य बारी- बारी विपनण करेंगे।

5. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (महीनो में) छ: महीने	➢ 30 कि0 ग्रा0
6.2	प्रति चक्र कार्यकर्ता की आवश्यकता (संख्या)	➢ 15 सदस्य

6. विपनण/ विक्री का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, पतलीकुल, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	16 से 45 कि0 मी0
7.3	मंडी स्थल में शहद की मांग	कुल्लू, पतलीकुल, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानिय मांग के आधार ● विक्रेताओं की सूचि बनाना ● विक्रेताओं से सम्पर्क
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग
7.6	शहद के सम्भावित खरीददार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, बाहरी लोग
7.7	क्षेत्र में सम्भावित उपभोक्ता	किरायदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग
7.8	शहद का विपणन तंत्र	● दुकानदारो से सम्पर्क ● अपना विक्री केंद्र ● मेलों में स्टाल ● विभिन्न कार्यालय ● धार्मिक स्थल
7.9	शहद की विपनण रणनीति	● थोक व्यापारी ● परचून व्यापारी ● एजेंट २०-25 सब्सिडी ● लोकल नेटवर्क में प्रचार ● सोशल मीडिया में प्रचार
7.10	शहद का छाप निधारण	
7.11	उत्पाद का नारा	

7. शक्ति, दुर्बलता, अवसर और चुनौती का विश्लेषण (swot analysis)

8.1 शक्ति

- पुरूषों में कार्य करने की लग्न हैं।
- पहले से ही कुछ मधुमक्खी पालन का कम करते हैं।
- समूह में अनुभवी सदस्य हैं।
- मधुमक्खी पालन प्रक्रिया साधारण हैं।
- शहद की पैकिंग व ले जाना आसान हैं।

8.2 दुर्बलता

- पुरुष कृषि व पशुपालन के कार्य भी करते हैं।
- कार्य के लिए 2-3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे हैं।
- तापमान व आद्रता से फूलो में कमी।

8.3 अवसर

- हिमाचल प्रदेश वन विभाग परितंत्र प्रवंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढोतरी होगी।
- समूह में पुरष हैं।
- शहद की लोकल व शहरों में मांग हैं।
- कुल्लू व पर्यटक स्थल हैं।

8.4 चुनौती

- अच्छा शहद तैयार न करना।
- बाजार की स्थिती को न समझना।
- दुश्मन कीटो व बीमारी का डर।
- तापमान व आद्रता से फूलो की कमी

8. परियोजना की अर्थव्वस्था का विवरण

9.1 अ-पूंजिगत व्यय

क्र0 स0	विवरण	मूल्य (रू0) में
1	15 न0 शहद के डब्बे मधुमक्खी सहित (5800 प्रति डब्बा)	87000
2	15 न0 मधुमक्खी वैल (15X130)	1950
3	15 न0 दस्ताने (15X180)	2700
4	15 न0 शीट (15X30)	450
5	15 न0 फीडर (15X70)	1050
6	15 न0 क्वीन गेट (15X60)	900
7	15 न0 ब्रश (15X85)	1275
8	15 न0 हाइव टूल (15X80)	1200
कुल पूंजी व्यय		**96525**

9. ब- आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्र० स०	विवरण	इकाई	किवंटल	दर	राशी
1.	**पैकिंग**	दिन	1.5	**-**	**1000**
2.	**ट्रांसपोर्टेशन**	दिन	1.5	**-**	**1000**
3.	**मजदूरी**	दिन	**L/S**	**-**	**2000**
4.	**अन्य खर्चे**	दिन	**-**	**-**	**2000**
	कुल (1+2+3+4)				**4000**
	कुल आवर्ती लागत				**4000**

10. अर्थ- व्यवस्था का सारांश

क्र० स०	विवरण	राशी
1.	कुल आवर्ती लागत	**4000**
2.	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	**730**
	योग	**4730**

11. अनुमान

विक्रय मूल्य की गणना

क्र०	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**धनराशी**
एक किलो ग्राम शहद के लिए				
1.	उत्पादन लागत	संख्या	1	100
	लाभ	संख्या	1	600
	बाजार भाव	संक्या	1	700

12. उद्यम हेतु लगत- लाभ विश्लेषण (एक चक्र में)

क्र०	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**धनराशी**
1.	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक ह्रास (अ)				9652
2.	आवर्ती व्यय (ब)				
2.1	शहद				4000
	योग (ब)				**4000**
3.	कुल उत्पादन	कि0 ग्रा0	30		0
4.	उत्पाद की विक्री	कि0 ग्रा0	30		0
5.	उत्पाद की बिक्री से आय	कि0 ग्रा0	30	700	18000
	योग ()				
6.	कुल लाभ = **स –(अ + ब)** 18000-(9652+4000)= 4348				**4348**
7.	उत्पाद की विक्री से सकल लाभ (कुल लाभ – किराया + मजदुरी) (4348-2000=2348)				

13. स्वयं सहायता समूह/ समान रूचि समूह को धन की आवश्यकता

क्र०	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 50%	समूह द्वारा अंशदान 50%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1.	पूंजीगत व्यय	96525	48262	48262	0
2.	आवर्ती व्यय	2500	0	0	0
3.	अन्य व्यय	0	0	0	0
योग		**99025**	48262	48262	**0**

14.समूह के वितीय संसाधन

क्र०	विवरण	धनराशी
1.	परियोजना के उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	**99025**
2.	समूह की आंतरिक बचत	**1500**
योग		**100525**

15.**लाभ/ हानि बिंदु स्थिति की गणना (ब्रेक इवन पॉइंट)**

शहद की सम विचेदन बिंदु की गणना

= **99025/180 486 दिन**

- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुमान के अनुसार दिनों में 486 सम विचेदन बिंदु प्राप्त किया जा सकता हैं।

16. प्रशिक्षण का अनुमानित व्यय

क्रमांक	विवरण	अवधि	भाव (रुपये मे)	राशि
1	हॉल का किराया	3 दिन	@600/दिन	1800
2	15 प्रतिभागियों के लिए ट्रेनिंग का खर्चा (दोपहर का भोजन)।	3 दिन	@350/ ट्रेनी/दिन	15750
3	रिफ्रेशमेंट - 15 प्रतिभागियों के लिए दिन मे 2 बार चाय पानी का खर्चा।	3 दिन	@50/ट्रेनी/दिन	2250
4.	प्रशिक्षक देनिक वेतन ।	3 दिन	@800 दिन	2400
4	विविध (स्टेशनरी, बस किराया आदि)।	3 दिन	लंप सम	5800
	योग			**28000**

17.टिप्पणी

समूह द्वारा एक चक्र में 30 किलोग्राम शहद तेयार करके विक्रय किया जायगा इससे एक चक्र यानी छ: महीने में औसतन 27000 रूपए की आय सम्भावित है।

18.चर्चा के दौरान ली गयी तस्वीरें

19. समान रूचि समूह के नियमो की सूची

- समूह कार्य: मधुमक्खी पालन
- समूह का पता: गांव -जन वन विकास समिति जाणा -1
- समूह के कुल सदस्य: 15
- समूह की पहली बैठक की तारीख: 20/12/23
- समूह में प्रत्येक 100 रुपये के लिए, 2 रुपये का ब्याज होगा।
- समूह की मासिक बैठक हर महीने आयोजित की जाती है। 18 तारीख को होगा
- समूह के सभी सदस्य प्रत्येक माह का बचाया हुआ धन समूह में जमा करेंगे।
- सभी सदस्यों को समान रूचि समूह की बैठक में शामिल होना होगा।
- स्वयं सहायता समूह खाता क्या है? संख्या : 42566093670
- समूह की बैठक में शामिल होने के लिए प्रमुख और सचिव को उचित कार्य बताते हुए अनुमति लेनी होगी।
- जो लोग समूह में बचत की राशि जमा नहीं करते हैं या 3 बैठकों के लिए समूह में उपस्थित रहते हैं, तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा।
- यदि वह व्यक्ति जो कारण बताते हुए समूह में मौजूद है, तो अगली मुलाकात उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को स्वयं वहन करना होगा।
- समान रूचि समूह के प्रधान और सचिव का चुनाव सर्वसम्मति से किया जाएगा।
- प्रधान और सचिव बैंक के साथ लेन-देन कर सकते हैं, यह पद एक वर्ष के लिए मान्य होगा।
- प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई कार्य नहीं करेंगे और सदैव समूह की निधियों का उपयोग करेंगे।
- यदि सदस्य किसी कारण से समूह छोड़ना चाहता है, यदि इस व्यक्ति ने ऋण लिया है, तो समूह को केवल तभी वापस करना होगा जब समूह को छोड़कर समानता है अन्यथा नहीं।
- बैठक में लोन का उद्देश्य, राशि चुकाने का समय, लोन की किस्त और ब्याज की दर तय की जाएगी।

- इमरजेंसी के लिए प्रधान और सचिव के पास कम से कम 1000 रुपये की राशि होनी चाहिए।
- स्व-सहायता समूहों के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ना-लिखा जाना चाहिए।
- बड़े कर्जदारों को एक सप्ताह पहले देनी होगी रिपोर्ट
- जरूरत के समय सभी सदस्यों को ऋण दिया जाना चाहिए।
- यदि सदस्य बिना किसी कारण के समूह छोड़ना चाहता है, तो उस सदस्य की संचित आय को समूह में विभाजित किया जाएगा।
- समूह को एफटीयू को मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

ठाकुर समान रूचि समूह के सदस्यों के छाया चित्र

 रघुवीर सिंह प्रधान	 करम चंद सदस्य	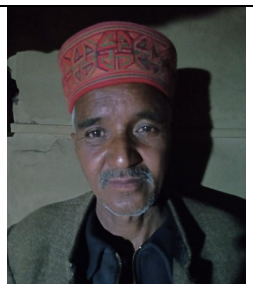 भाग चंद सदस्य
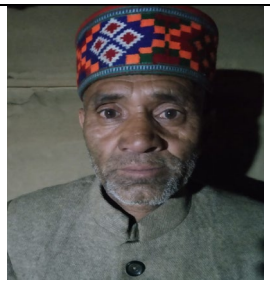 रूप लाल सदस्य	 बाल कृष्ण सदस्य	 लीलाकर सदस्य
 धर्म चंद सदस्य	 हीरा लाल सदस्य	 कुलदीप सदस्य
 झाबे राम सदस्य	 युवराज सचिव	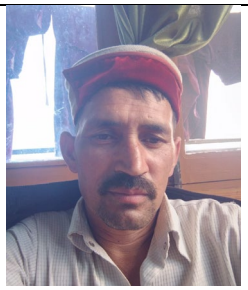 प्यारे लाल सदस्य

 मनोज कुमार सदस्य	 तेजेन्दर ठाकुर सदस्य	 धर्म चंद सदस्य

23. समझौता

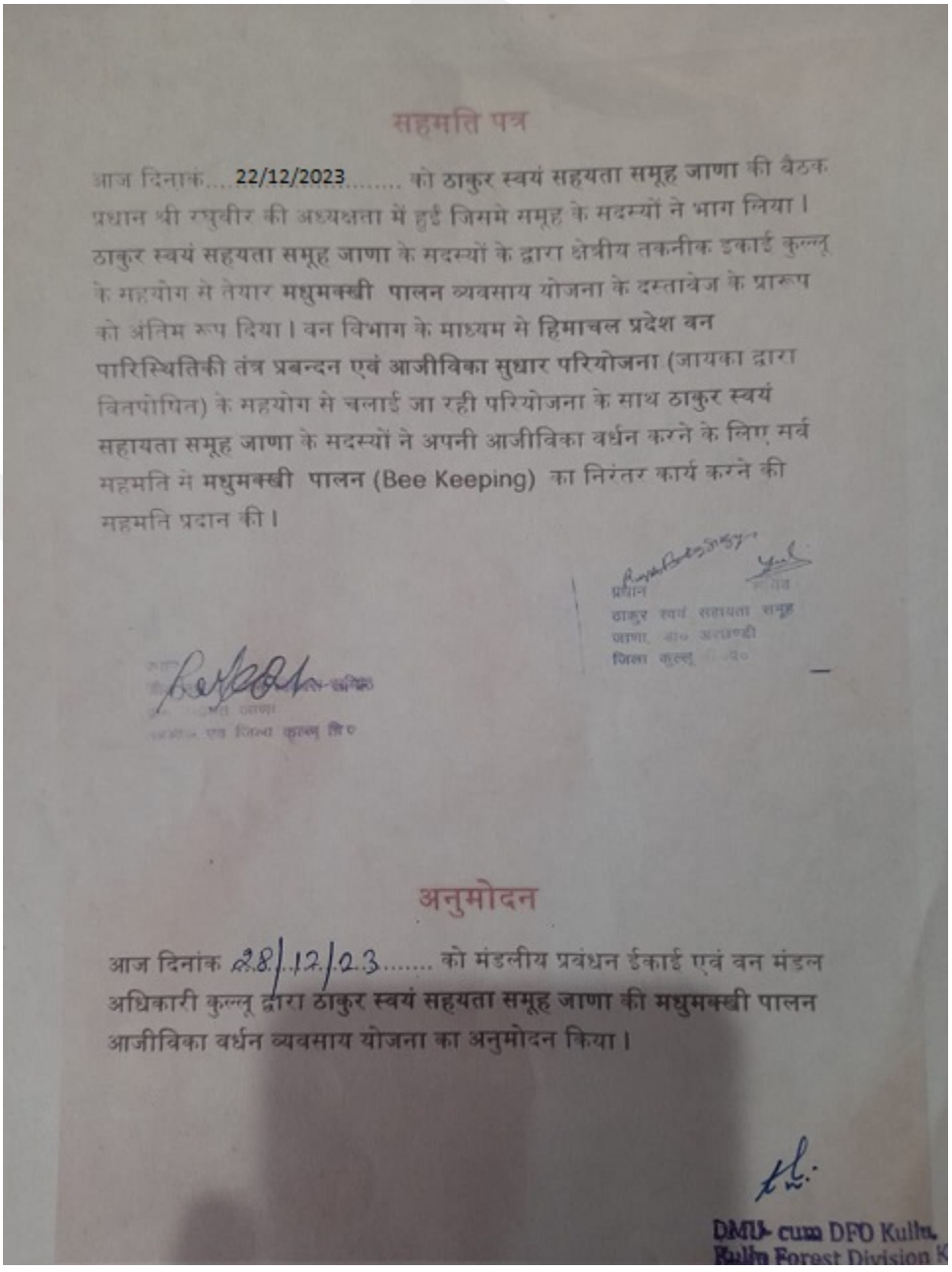

सहमति पत्र

आज दिनांक....22/12/2023........ को ठाकुर स्वयं सहयता समूह जाणा की बैठक प्रधान श्री रघुवीर की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने भाग लिया। ठाकुर स्वयं सहयता समूह जाणा के सदस्यों के द्वारा क्षेत्रीय तकनीक इकाई कुल्लू के सहयोग से तैयार **मधुमक्खी पालन** व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अंतिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्दन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जायका द्वारा वित्तपोषित) के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ ठाकुर स्वयं सहायता समूह जाणा के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्व सहमति से **मधुमक्खी पालन** (Bee Keeping) का निरंतर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

प्रधान सचिव
ठाकुर स्वयं सहायता समूह
जाणा, डा० अरछण्डी
जिला कुल्लू, हि०प्र०

अनुमोदन

आज दिनांक 28/12/23....... को मंडलीय प्रबंधन ईकाई एवं वन मंडल अधिकारी कुल्लू द्वारा ठाकुर स्वयं सहयता समूह जाणा की मधुमक्खी पालन आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

DMU cum DFO Kullu
Kullu Forest Division K